मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

22 जनवरी, 2025

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में बदलते शैक्षिक परिदृश्य में मानवीय मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 22 जनवरी, 2025 को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पूर्वाह्न 10:30 बजे किया गया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी0 के0 साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं बीज वक्ता प्रोफेसर अरविंद कुमार झा, आचार्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन प्रो. छत्रसाल सिंह ने किया। शिक्षा विभाग के निदेशक प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने अतिथियों का वाचिक परिचय एवं स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ बाल गोविंद सिंह ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा आभार ज्ञापन डॉ. दिनेश सिंह, सह आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के आए 100 से अधिक प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य आकर्षण अतिथियों को प्रयागराज के महाकुंभ का गंगाजल कुंभ कलश में भेंट किया गया।

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए माननीय कुलपति जी एवं कुलपति जी का स्वागत करते हुए प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

कुलगीत की प्रस्तुती

राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन करते हुए प्रो. छत्रसाल सिंह

अतिथियों का वाचिक परिचय एवं स्वागत करते हुए शिक्षा विभाग के निदेशक प्रोफेसर पी.के. स्टालिन

संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव डॉ बाल गोविंद सिंह

मनुष्य को मनुष्य बनाना सबसे बड़ा मानवीय मूल्य– प्रोफेसर झा

संगोष्ठी के बीज वक्ता प्रोफेसर अरविंद कुमार झा, आचार्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने कहा कि कर्म से बढ़कर कोई मूल्य नहीं है। मानव में जो मानवीयता है उसका मूल्य एक होगा। मनुष्य को मनुष्य बनाना सबसे बड़ा मानवीय मूल्य है। प्रोफेसर झा ने मानव मूल्य एवं मानवीय मूल्यों को रेखांकित किया। उन्होंने विभिन्न विद्वानों के विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि मस्तिष्क का विकास सिर के अंदर होता है जबकि एक अन्य विचारक के अनुसार मस्तिष्क का विकास वातावरण एवं उसके अनुभव द्वारा होता है। उन्होंने गणितीय दृष्टिकोण से मूल्यों को उद्घाटित किया।

शिक्षा कौशल एवं मूल्य आधारित होना चाहिए : प्रोफेसर साहू

मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी के साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने मूल्यों की व्याख्या की तथा शिक्षा कौशल एवं मूल्य आधारित होना चाहिए तथा दक्षता की बात करते हुए विभिन्न दृष्टांत तथा उदाहरण के द्वारा मानवीय मूल्यों को रेखांकित किया। उन्होंने मूल्यों के व्यापरीकरण की शिक्षा पर चिंता जाहिर करते हुए सापेक्षिक मूल्य एवं दंड विधान की भी व्याख्या की।

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं कलश भेंट कर उनका सम्मान करते हुए माननीय कुलपति जी एवं कुलपति जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं कलश भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

शिक्षा व्यवस्था मूल्ययुक्त होनी चाहिए : प्रोफेसर सत्यकाम

राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षा में मूल्यों को बढ़ावा देने हेतु उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों में गीता सार एवं कुम्भ अध्ययन जैसे साहित्य को जोड़ने का संकल्प लिया। प्रोफेसर सत्यकाम ने शिक्षा एवं मूल्य की बिल्कुल नई अवधारणा दंड की विषद चर्चा की तथा दक्षिण भारत में शिक्षा के प्रचलित अर्थों में दंड की अवधारणा की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भोजपुरी में भी शिक्षा का अर्थ दंड के रूप में प्रचलित है। शिक्षा व्यवस्था मूल्ययुक्त होनी चाहिए।

आभार ज्ञापन करते हुए सह आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा डॉ. दिनेश सिंह

राष्ट्रगान

समापन सत्र

स्मापन स़त्र का संचालन करती हुई श्रीमती कुमुदी शुक्ला

अतिथियों का वाचिक परिचय एवं स्वागत करते हुए शिक्षा विभाग के निदेशक प्रोफेसर पी.के. स्टालिन

संगोष्ठी की रिर्पोट प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव डॉ बाल गोविंद सिंह

मुख्य अतिथि प्रो0 धनन्जय चोपडा जी का स्वागत एवं सम्मान करते हुए माननीय कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

संगोष्ठी में सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति जी